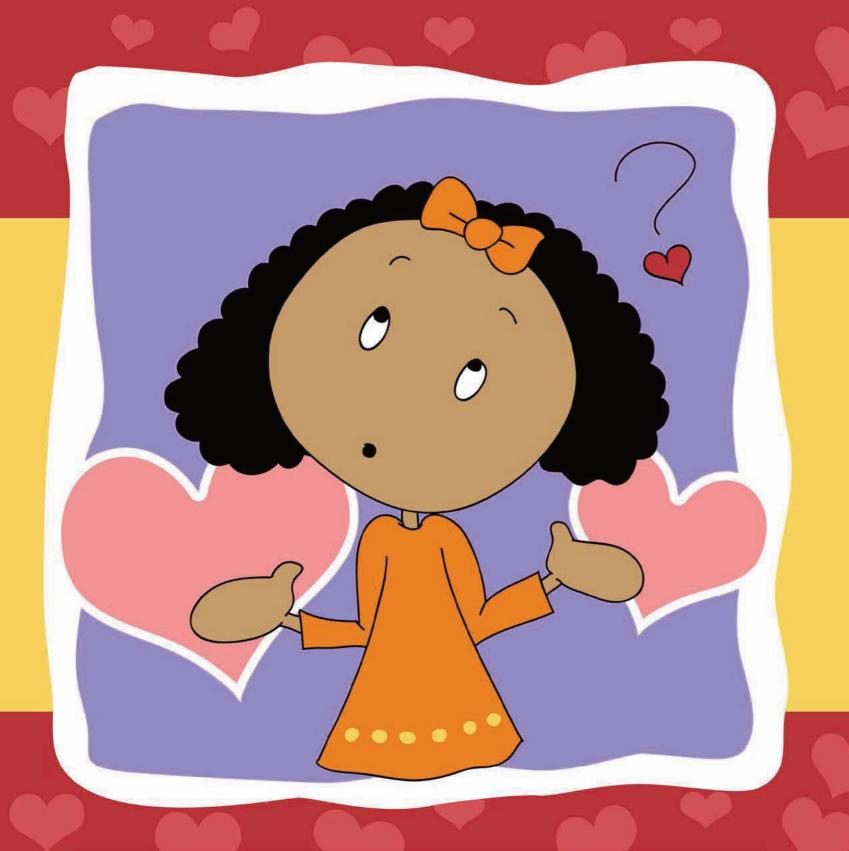
... प्रेम और निस्वार्थता के बारे में

विचार बिंदु

एग्नेस और सलेम डी बेज़ेनाक



प्रेम क्या है?

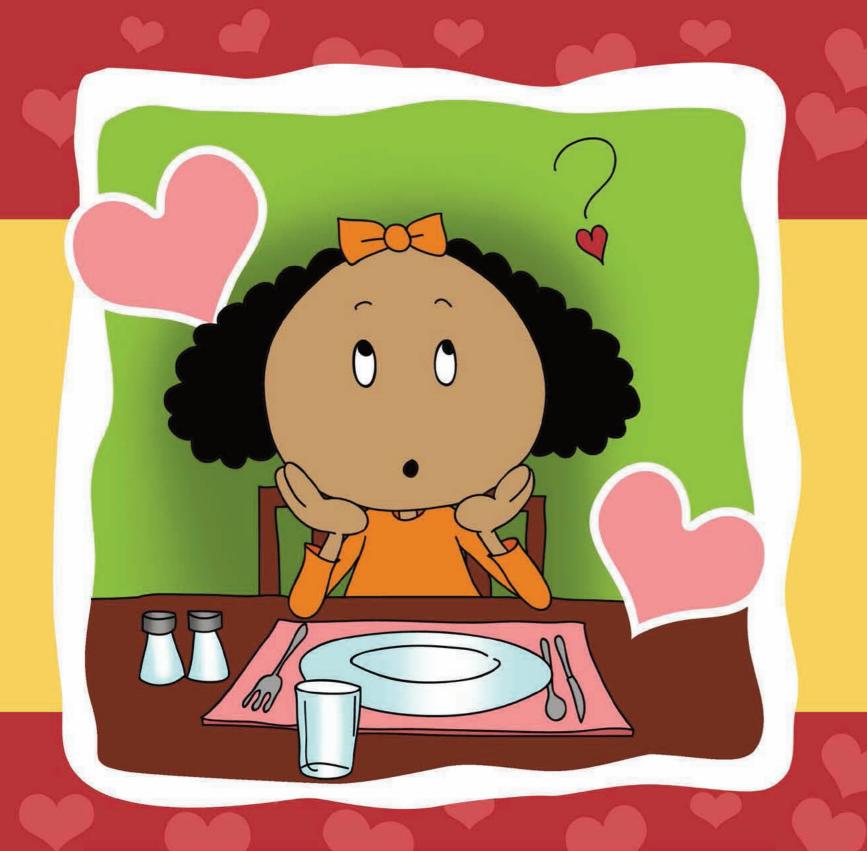




मेरे पापा कहते हैं कि रात को बिस्तर में मजे से किताब पढ़ना...



... और इसे तेईस ढ्फे बार-बार पढ़ना ही असल में प्रेम हैं.





मेरी मम्मी कहती हैं कि दिन में तीन बार खाना बनाना...



... और थकान या बीमारी में भी सबको खाना पकाकर रिवलाना प्रेम है.





मेरे बड़े भय्या कहते हैं कि तुम्हारे साथ बॉल खेलना प्रेम हैं...



तब भी जब वह इसकी जगह अपनी कार से खेलना चाहते थे.





मेरी छोटी बहन कहती है कि जब कोई उसके साथ...



...गुड्डे-गुड़िया और कप-प्लेट का खेल खेले तो वह प्रेम है.



प्रेम क्या है क्या मुझे पता है?

सोंचों, सोंचों!



हां, मुझे पता है! प्रेम तब होता है जब हम औरों की खुशी के लिए कुछ करते हैं.



यही तो प्रेम है और मैं परिवार में सभी से प्रेम करती हूं. अलग-अलग लोग प्रेम को अलग-अलग ढंग से प्रकट करते हैं.

The End

